CAREERINDIA

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

2. (Signature) ____________________

   (Name) ____________________

OMR Sheet No. : ....

(To be filled by the Candidate)

Roll No. | | | | | | | | |

(In figures as per admission card)

Roll No. ____________________

(In words)

J 8 5 1 5

Time : 2½ hours]

PAPER - III
KONKANI

[Maximum Marks : 150

Number of Pages in this Booklet : **16**

Number of Questions in this Booklet : **75**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
   (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.

   Example : ① ② ● ④ where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only.** If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are however, allowed to carry original question booklet and duplicate copy of OMR Sheet on conclusion of examination.
10. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
11. **Use of any calculator or log table etc., is prohibited.**
12. **There are no negative marks for incorrect answers.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
   (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं। आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है।

   उदाहरण : ① ② ● ④ जबकि (3) सही उत्तर है।
5. प्रश्नों के उत्तर **केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही** अंकित करने हैं। यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिन्हांकित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें। हालांकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका तथा OMR पत्रक की डुप्लीकेट प्रति अपने साथ ले जा सकते हैं।
10. **केवल नीले/काले बाल प्वाईंट पेन का ही इस्तेमाल करें।**
11. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
12. **गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं।**

www.careerindia.com

CAREERINDIA

KONKANI
कोंकणी
PAPER - III
प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are **compulsory**.

नोट : इस प्रश्नपत्र में **पचहत्तर (75)** बहु–विकल्पीय प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न के **दो (2)** अंक हैं। **सभी** प्रश्न **अनिवार्य** हैं।

सुचोवण्यो : (i) ह्या प्रस्नपत्रांत वट्ट पाऊणशे **(75)** भौपर्यायी जापेचे प्रस्न आसात.

(ii) सगळ्या प्रस्नांच्यो जापो बरोंवच्यो.

(iii) दर एका प्रस्नाचे सारके जापेक दोन **(2)** गुण दवरल्यात.

(iv) दर एका प्रस्नाची जाप ताचे सकयल दिल्लया (1), (2), (3) आनी (4) ह्या चार अक्षरांतल्या फावो त्या अक्षराचेर कुरू करून दिंवची.

www.careerindia.com

1. इतिहासीक भासविज्ञानाची खंयची पद्धत मुळावे उतरावळीच्या आदारान भास–बदलाचो थाव घेता ?

(1) तुलनात्मक पद्धत (2) भाशीक काळ निर्णय
(3) एकभाशीक पुनर्रचणूक (4) भौभाशिक वाटाराचो भूगोल

2. 'हेदन' ह्या उतराचो बरोबर अर्थ हांतलो खंयचो ?

(1) हेकटपणा करप (2) कामा विरयत हेडप
(3) खरपून आपटून जाल्ली जखम (4) गोरवां गोठ्यांत हांबेतात त्या आवाजाक हेदन म्हणटात

3. साहित्यकृती आनी तांतूतलीं अस्तुरी पात्रां हांच्यो योग्य जोड्यो लायात.

(a) लव्ह स्टोरी (i) गीता
(b) मोनी व्यथा (ii) अनुराधा
(c) सोडवाट (iii) आशा
(d) रातराणी (iv) मार्था
(v) कमलकाकी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(i)	(iii)	(iv)	(v)
(2)	(ii)	(iv)	(i)	(iii)
(3)	(iii)	(iv)	(i)	(v)
(4)	(ii)	(iv)	(iii)	(i)

CAREERINDIA

4. मेल्वीन रॉड्रीक्ज हांणे कोणासावन प्रेरणा घेवन संस्था स्थापली तिचे नांव हांतलें खंयचें ?

(1) शणै गोंयबाब : कोंकणी अस्मिताय प्रतिष्ठान

(2) बाकीबाब बोरकार : कविता ट्रस्ट

(3) चा.फ्रा.द. कोश्त – कविता ट्रस्ट

(4) शंकर रामाणी – विश्व प्रतिष्ठान संस्था

5. 'सणबियां' आनी 'तोर' हीं उतरां हांतल्या खंयच्या मूळ भाशेंतल्यान कोंकणीत आयल्यात ?

(1) तमिळ उतरांवेल्यान (2) मुंडारी उतरांवेल्यान

(3) कानडी उतरांवेल्यान (4) तेलगु उतरांवेल्यान

6. अभंग फुटल्यारि ताका कपि लावंक जायत वे ? ह्या कारवारी मोडींतल्या ओपा रींतल्या 'अभंग' ह्या उतराचो अर्थ :

(1) जें भंगना तें (2) भजनांत गायतात तो काव्य प्रकार

(3) मळब (4) सोंपना तें अखंड

7. हाताळप, मोलावप, गांठावप, उश्टावप, धुमकावप हीं उतरां हांतूतल्या खंयच्या प्रकारांत येतात ?

(1) नामधातू (2) गुणविशेशण धातू

(3) क्रियाविशेशण धातू (4) संख्याविशेशण धातू

8. योग्य ती वळ वेंचून कडवें पुराय करात. घराचे घरकान्नी बाये गे/भेंडाक चावी लाय गे भायल्यान फेळ येयला गे _ _ _ _ _ _ ।

(1) राट, तळी बेगीन हाड गे। (2) भितरल्यान दिवो हाड गे।

(3) सकया साद घाला गे। (4) माय लेकी कुकमाचे करण घेया गे।

9. 13 व्या शेंकड्याच्या पयल्या चौथ्यांत सिंघण यादवाच्या दरबारांत दक्षिण कोंकणातलो मायिंदेव जसो नांवालोकिकान गाजलो तसोच त्या शेंकड्याच्या दुसऱ्या अर्दांत रामदेव यादवाचे राजवटींत हांतलो खंयचो गोंयकार गाजलो ?

(1) श्रीराम कामती (2) त्रिभुवन मल्ल

(3) अच्युत नायक (4) सूर्यराव देसाय

10. हांतलें खंयचें विधान बरोबर आसा तें वळखात.

(1) कानारी हे उत्तरेकडचे लोक आसून तांचे सांगणे भशेन, ते, मुदलाक साश्ट बारदेसांतल्यान आयल्यात.

(2) केरळांत गेल्ल्या कोंकणी लोकांच्या मनांत आपले आवयभाशे विशीं व्हडलोसो मोग नासता.

(3) कोंकणी भुरग्यांक कोंकणी भाशेचो समज सट्ट करून न पडिल्ल्यान तीं शिकपांत व्हडलीशीं नासतात.

(4) आमची भास एकरूपी जावपाक परक्या भासांतलीं चडांत चड पुस्तकां रूपांतरित जावप गरजेचें आसा.

www.careerindia.com

CAREERINDIA

11. ''तरणे तशे दांडगे तुमी/आजून कशे रावल्या वोगे हड्ड्यातले इंगळे आज/धगधगून जांव दी जागे'' ह्यो वळी खंयच्या कवीन आनी कोणाक उद्देशून बरयल्यात ?

(1) नागेश करमली – स्वातंत्र्य वीरांक

(2) मनोहरराय सरदेसाय – भौसाक

(3) सु.म. तडकोडकार – तरणाट्यांक

(4) बाकीबाब बोरकार – कोंकणी विचारवंतांक

12. 'जायते फावटीं जिबेक लगाम घातल्यार तकलेचो भार उणो जातलो' अशें 'तर्ने तर्ने मोर्ने' ह्या नाटकांत कोणे कोणाक म्हटलें ?

(1) विगारान काजितोराक (2) काजितोरान विगाराक

(3) कार्वालान विगाराक (4) जॉनीन लियाक

13. हांतूतलें बरोबर वाक्य खंयचें ?

(1) सृजनशीलतायेक आनी समाजीक लागणुकेक लागून रविंद्र केळेकार बरोवपाक लागले.

(2) मंगळूरच्या रंगमाचयेर क्रांती करूनय चाफ्राक आधुनिक नाटककारांचे पंक्तीक बसपाचो मान फावना.

(3) 'विवेकानंदपुरमांत' हें पुस्तक विवेकानन्दाच्यो व्हडविकायो सांगपी पुस्तक.

(4) ए.टी. लोबो हो केरळांतलो नामनेचो कादंबरीकार जावन आसा.

14. ''आमची सुमाराभायर अवनत जाल्या हे गजालीची आमकां जाणविकाय जावंक जाय; हे अवनती फाटलीं कारणां आमीं सोदून काडूंक जाय. तेन्नाच ही परिस्थिती निवळटली, आनी आमचे राष्ट्रीक कुडीक जाल्ली पिडा पयस करपाचो उपाय आमकां मेळटलो.'' ही उतरां हांतल्या कोणे काडल्यात ?

(1) त्रिश्तांव ब्रागांझ कुन्या (2) कुन्य रिव्हार

(3) मों. सेबेश्ति यांव दाल्गाद (4) गोविंद नारायणशणै मडगांवकार

15. हांतुतले खंयचे कुरवेचो दोन तरांचो उच्चार कोंकणी बोलयांनी मेळटा ?

(1) 'क' (2) 'ट' (3) 'स' (4) 'फ'

16. 'मानवी बुद्धिमत्तेचें सर्वश्रेष्ठ स्मारक' अशे उद्गार पाणिनीसंबदान कोणे काडल्यात ?

(1) सोस्यूर (2) नोअम च्यॉमस्की

(3) ब्लूमफिल्ड (4) रोमान् याकोप्सन

17. अनुपमा कुडचडकार हांणी बरयलेल्या पुस्तकाचे हांतलें खंयचें नांव बरोबर ?

(1) कांत (2) इंग्लीश-कोंकणी मेडीकल टर्मिनालॉजी

(3) स्थेटस्कोप (4) वखदी वनस्पत

www.careerindia.com

CAREERINDIA

18. कोंकणीचे चडशे म्हालगडे तिची शक्त वाडोवपाच्या वावराक लागले कारण :

(1) तांकां राष्ट्रीय हेर भासांचे पंगतीक कोंकणीक बसपाक मेळचे ही उमळशीक आशिल्ली.

(2) हेर भासांतले लोक कोंकणीक अस्कत मानून तिची उवेखणी करताले.

(3) गोंया तेन्ना ओपिनियन पोलाची वेंचणूक जावपाची आशिल्ली.

(4) नवे पिळगेचे जायते तरणाटे कोंकणी खातीर काम करपाक तयार जाल्ले.

19. सकयल्या उतरांच्या फावो त्या अर्थाच्यो जोड्यो हांतूतल्यो खंयच्यो ?

(a)	सुपराड	(i)	उगत्या मनाचो
(b)	सुग्रमी	(ii)	खतखतो
(c)	हरसडळ	(iii)	भेट, बसका
(d)	शामी	(iv)	गिन्यानी विद्वान
(e)	रैवासु	(v)	तुस्त गावंक
		(vi)	भरपूर, सुकाळ

	(a)	(b)	(c)	(d)	(e)
(1)	(v)	(i)	(iv)	(vi)	(iii)
(2)	(vi)	(iv)	(i)	(iii)	(ii)
(3)	(iv)	(ii)	(i)	(iii)	(v)
(4)	(vi)	(v)	(iv)	(iii)	(ii)

20. वेळपांच्या कोंकणी बोलयेंतल्या उतरांनी मदले सुवातीर 'च' आसता तेन्ना ताचो खंयचो उच्चार हांतल्यापैकी जाता ?

(1) 'न' (2) 'स' (3) 'ल' (4) 'व'

21. हांतुतल्या पुस्तकांच्या उजवाडावणेचो फावो तो क्रम खंयचो ?

(1) म्हजी वाट म्हाका, धूळ, जुगार, 215 दारुवाला इस्टेट, अमर उतरां

(2) म्हजी वाट म्हाका, जुगार, 215 दारुवाला इस्टेट, धूळ, अमर उतरां

(3) म्हजी वाट म्हाका, 215 दारुवाला इस्टेट, अमर उतरां, धूळ, जुगार

(4) 215 दारुवाला इस्टेट, म्हजी वाट म्हाका, अमर उतरां, जुगार, धूळ

22. सकयले वाक्याचो खंयचो पर्याय योग्य आसा ?

आमीं आमचे भाशेची आस्पत वाडौंक जाय जाल्यार –

(1) जी भायलीं उतरां आपली जालीं तीं कोंकणीच अशें आमी लेखून तांचो जाता तितलो वापर करपाक जाय

(2) आमीं कोंकणीच्या संवसारांत चडांत चड साहित्यिक वातावरणाची निर्मणी करपाक जाय.

(3) कोंकणी मनशाकडल्यान दुसरे खंयचेच भाशेचें एक्कूय पुस्तक तयार जांवचे ना हाची खबरदारी घेवपाक जाय.

(4) कोंकणी आकाशवाणी आनी दूरदर्शन हांच्या माध्यमांतल्यान चडांत चड सांस्कृतिक कार्यावळींचें वितरण करपाक जाय.

www.careerindia.com

23. जे.बी. मोरायश हांची पयली रेडिओ प्रसारित कविता केन्ना प्रसारित जाली आनी खंयची ?

(1) इ.स. 1972 – 'भितरलें तूफान'
(2) इ.स. 1961 – 'उचांबर प्रकृति'
(3) इ.स. 1969 – 'नवी व्हंकाल'
(4) इ.स. 1961 – 'विधिचो खेळ'

24. हांतल्या खंयच्या अलंकाराक शब्दालंकार म्हुण वळखतात ?

(1) उत्प्रेक्षा
(2) उपमा
(3) यमक
(4) विरोधाभास

25. ज्या समासांत खंयचेच पद मुखेल नासता आनी त्या समासीक उतराचो अर्थ दुसऱ्याकय लागू जाता अशें उतर हांतल्या खंयच्या समासांत आसपावता ?

(1) बहुव्रिही समास
(2) तत्पुरुष समास
(3) कर्मधारेय समास
(4) द्विगु समास

26. सकयल दिल्ल्या वाक्यांतली अलंकारिक उतरां आनी अलंकार हांच्यो फावो त्यो जोड्यो खंयच्यो ?

(a)	कृष्णाच्या हातांतले नीळकमळ सुंदर दिसताले.	(i)	द्विगु समास
(b)	गणपतीचे एक नांव लंबोदर आसा.	(ii)	तत्पुरुष समास
(c)	नवरात्र सोंपत्यार दसरो हो सण येता.	(iii)	कर्मधारय समास
(d)	राधाकृष्णाच्या देवळांतलेगीत दसरो मनयतात.	(iv)	द्वंद्व समास
		(v)	बहुव्रिही समास

	(a)	**(b)**	**(c)**	**(d)**
(1)	(iii)	(v)	(i)	(iv)
(2)	(v)	(i)	(iv)	(iii)
(3)	(v)	(i)	(ii)	(iii)
(4)	(ii)	(i)	(iii)	(v)

27. आंद्रे ब्रुन हांगेल्या 'मेव मारीदु के देऊस आझ्य' ह्या पुर्तुगेज फार्साच्या कोंकणी रूपांतराचे नांव हांतल्यापैकी खंयचे आसा ?

(1) काळे बायलेचो गोरो घोव.
(2) एका परस एक हटी.
(3) चवथीचो चंद्र.
(4) म्हजो सर्गार आसल्लो धरकार.

28. शिंव भागलो म्हुण तण खायना म्हळयार :

(1) शिंवाक मांसाहारच करपाचो आसता.
(2) कांयच वा कसलीच तडजोड ना करप.
(3) कांयच फरक नासप.
(4) भलत्याच कडल्यान भलतीच अपेक्षा करप.

CAREERINDIA

29. अर्विल्ल्या काळांतल्या भासविज्ञानिकांचो काळाप्रमाण योग्य क्रम खंयचो ?
    (1) आंत्वान मेये, सोस्यूर, निकोलाय, त्रुबेत्झकोय, सपीर.
    (2) सोस्यूर, सपीर, आंत्वान मेये, निकोलाय, त्रुबेत्झकोय.
    (3) सोस्यूर, आंत्वान मेये, निकोलाय, त्रुबेत्झकोय, सपीर.
    (4) सोस्यूर, सपीर, निकोलाय, आंत्वान मेये, त्रुबेत्झकोय.

30. क्विंटिलियन ह्या विद्वानाक हांतलो कोण म्हुण वळखतात ?
    (1) नामनेचो भासविज्ञानिक
    (2) नामनेचो वक्तृत्वशास्त्री
    (3) नामनेचो इतिहासतज्ज्ञ
    (4) नवशास्त्रवादी समीक्षक

31. आपल्या विंगड विंगड रूपांनी भाशेंत घोळपी क्रियापदाच्या रूपाच्या मुळाक किदें म्हणतात ?
    (1) सकर्मक क्रिया
    (2) विभक्ती रूप
    (3) अकर्मक क्रियापद
    (4) धातू

32. कोंकणी साहित्यिक खंयच्या कारणांक लागून भाशीक आनी राजकीय चळवळींतलो मनीस जावंक पावलो ?
    (1) भाशिक कारणांक लागून
    (2) इतिहासिक कारणांक लागून
    (3) राजकीय कारणांक लागून
    (4) साहित्यिक कारणांक लागून

33. लिखणे वांगडाच पुंडलिकाच्या व्यक्तित्वाकूय धार येत गेली. विचारावांगडाच व्यक्तित्वय प्रगल्भ जायत गेले. आनी ताका लागून :
    (1) ताच्या भाशणांक लोकांची दाटी जायत रावली.
    (2) ताका गोवा कोंकणी अकादमीचो तीन फावटी अध्यक्ष जावपाचो मान लाबलो.
    (3) पुस्तका वांगडां मनशांय वाचपाची कळाशी ताका प्राप्त जाली.
    (4) आकाशवाणीवेली नोकरी सोडून पुरायवेळ लेखक जावपाचो निर्णय ताणे घेतलो.

34. हांतलें अपादान-कारक वाक्य वळखात.
    (1) ताणें म्हाका पयशे दिले.
    (2) राम मुंबयच्यान आयलो.
    (3) ताच्या हाताक कांटो तोंपलो.
    (4) बाबुल्यान खूप बोवाळ केलो.

35. एकाद्या वाक्यांत सगळीं उतरां जेन्ना स्त्रिलिंगी आसतात तेन्ना त्या वाक्याचें क्रियापद खंयचे आसता तें वळखात.
    (1) स्त्रीलिंगी आनी एकवचनी आसता
    (2) अलिंगी आनी एकवचनी
    (3) स्त्रीलिंगी आनी भोववचनी
    (4) पुरुशलिंगी आनी भोववचनी

CAREERINDIA

36. हांतूतलें खंयचे पुस्तक मनोहरराय ससदेसांयान बरोवंक ना ?

(1) भांगराची कुराड (2) बाबू

(3) माणकुली गीतां (4) गोड गोड गीतां

37. हांतलें विशेशणासावन जाल्लें अमूर्त नाम खंयचे ?

(1) भुरगेंपण (2) खुशालकाय (3) खोलाय (4) गोंयकार

38. 71 हो आंकडो शणै गोंयबाब कशेरीतीन बरयतालेत ?

(1) येक्याहत्तर (2) एक्यासत्तर (3) येक्क्यात्तर (4) अेक्यास्तर

39. ''आर्य संस्कृतायेची दक्षिण भारतांत बुन्याद घालपी पयलो रुशी. समुद्रांतल्यान यात्रा करपी पयलो आर्य. रानवटी लोकांची जिणेदिश्ट बदलपाक तांकां शेतकाम शिकोवपी पयलो रुशी. दक्षिण दिकेतल्या तेजिश्ट ताऱ्याक ताचें नांव दिलां''. ही उतरां रविंद्र केळेकारांनी कोणाविशीं म्हटल्यात ?

(1) अगस्त्य रुशी (2) व्यासमुनी (3) वसिष्ठ (4) विश्वामित्र

40. आर.एस्. भास्कर ह्या केरळांतल्या कविच्या साहित्य रचनेचो योग्य क्रम खंयचो ?

(1) अक्षरां, अक्षता, नक्षत्रां, युगपरिवर्तनाचो यात्री.

(2) अक्षरां, नक्षत्रां, अक्षता, युगपरिवर्तनाचो यात्री.

(3) युगपरिवर्तनाचो यात्री, अक्षरां, नक्षत्रां, अक्षता.

(4) नक्षत्रां, युगपरिवर्तनाचो यात्री, अक्षरां, अक्षता.

41. ''काळखांत आडखळटल्यांक उजवाडाचो हात दिवन तांच्या प्राणांत किरणांची बीं रूजयत फांतोडे वटेन व्हरतल्या चैतन्य पुरुषांक ....'' ही अपर्ण पत्रिका कोणे आपल्या झेल्याक बरयल्या ?

(1) पुंडलीक नारायण नायक (2) शंकर रामाणी

(3) रमेश वेबुस्कार (4) प्रकाश पाडगांवकार

42. ''मर्येक दितलो मानु जेझुक पावता'' हांतलो ''जैसे फळा वरवनु व्रुख्याक (रूकाक) मानवताति तैसेंचि पुत्राच्या माना वरवनु मायेक तुस्ति पावता.'' ह्यो वळी आनी उतारो हांतल्या कोणाचो ?

(1) जुआंव दे पेद्रोझ (2) जोकी दे मिरांद

(3) दियोग रिबैरु (4) आंतोन द सालदाञ्य

CAREERINDIA

43. इ.स. 1893 ह्या वर्सा मुंबयच्यान खंयचो कोश उजवाडाक आयलो ?
(1) दांतासान बरयल्लो कोंकणी–पोर्तुगेज शब्दकोश.
(2) दाल्गादांचो कोंकणी–पोर्तुगेज कोश.
(3) आलेक्स दियशाचो कोंकणी–पोर्तुगेज कोश.
(4) आलेयश कायतान जुझे फ्रांसिस्क हांचो पोर्तुगीज कोंकणी शब्दकोश.

44. हातलें खंयचें वाक्य बरोबर ?
(1) पाद्री आ. पेरैर हांणी मो. दाल्गादांचें चरित्र कोंकणी आनी इंग्लीश दोनूय भासांनी बरयलां.
(2) पाद्री आ. पेरैर हांणी मो. दाल्गादांचें चरित्र बरयलां आनी सुरेश आमोणकार हांणी ताचो कोंकणी अणकार केला.
(3) पाद्री आ. पेरैर हांणी मो. दाल्गादांचें चरित्र मूळ कोंकणीत बरयलां आनी ताचो इंग्लीश अणकार मनोहरराय सरदेसाय हांणी केला.
(4) पाद्री आ. पेरैर हांणी मो. दाल्गादांचें चरित्र मूळ इंग्लीश भाशेंत बरयलां आनी मनोहर सरदेसाय हांणी ताचो कोंकणी अणकार केला.

45. 'रीगलो जेझू मळयांत' हो कसलो काव्य प्रकार आनी ताचो रचनाकार कोण ?
(1) मांडो – लिगोरियो द कोश्ता
(2) खंडकाव्य – पाद्री ज्योकी मिरांदा
(3) भजनगीत – पाद्री पास्कुआल दियश्
(4) भक्तीकाव्य – मो. सिल्व्हेस्टर मिनेजिस

46. जीण, ह्या कालचक्राची वाट सुखाकडल्यान दुखाकडे आनी दुखाकडल्यान सुखाकडे अशें खंयच्या धर्मतत्त्वांत म्हटलां ?
(1) सिद्ध धर्मतत्त्वांत
(2) हिंदु धर्मतत्त्वांत
(3) बौद्ध धर्मतत्त्वांत
(4) जैन धर्मतत्त्वांत

47. Stoicism ह्या इंग्लेज उतराक हांतलो खंयचो प्रतिशब्द कोंकणीत आसा ?
(1) अतिसंयमवाद
(2) अतिवास्तववाद
(3) दादावाद
(4) संरचनावाद

48. सकयल दिल्लो उतारो खंयच्या ग्रंथातलो आसा ?
'हे अनाधी सर्दीरा बापा, हे सर्व हुकुमदारा देवा ! तुज्या चरणांवरीं मस्तक ठेवून तुकाशेरणा आयलां, म्हजे पाप माफ करी, दातारा, आनी जजवी, तुज्यो अनंती करूणे दयेन मज्यावरीं कृपाळू हौनु मजीं पातकां भगशी ....
(1) देकलारासांव द दोत्रीन क्रिस्तां
(2) सांत आंतोनीची अचर्या
(3) देवाची एकांग्र बोलणी
(4) मिगेल द आलमेयदाचे प्रवचन

49. सकयली वाक्यां कोण कोणाक म्हणटा ?
"तुमचो अनादर करतां अशें उपकार करून मानूं नाकात. ह्या विशयाचेर म्हाका चड कांय विचारूं नाकात".
(1) पारून श्रीनिवासाक
(2) गोपाळान पारूक
(3) पारून उष्ण्याक
(4) उष्ण्यान श्रीनिवासाक

www.careerindia.com

CAREERINDIA

50. खंयचें विधान बरोबर आसा तें सांगा.

(1) अर्द स्वरांच्या उच्चारणाची सुरवात स्वरांवरी आडायनासतना जायना.

(2) अर्द स्वरांच्या उच्चारणाचो शेवट हवा आडाय नासतना कंठातल्यान जाता.

(3) अर्द-स्वरांचो उच्चार जाय तसो लांबोवपाक जाता.

(4) अर्द-स्वरांचो उच्चार स्वरांच्या उच्चारावरी लांबोवपाक येना.

51. नवशास्त्रवादाचो मुखेल प्रतिष्ठातो म्हुण अस्तंती समिक्षणा च्या मळार हांतल्या कोणाक मानतात ?

(1) रेम्बो (2) बुआलो (3) आल्बेर कामू (4) नीत्शे

52. ''पुण आमचें केवळ वैकुंठ जे आसा ते समेस्तां स्वर्गा वयर आसा. अडळ संचित्र कदीं सरून सरनां, ते परमेस्परान आपल्या उतरान रचललें तांतूत आपल्या भगताक आपलें दर्शन दाखोवंच्याक''.

वयलो उतारो हांतल्या खंयच्या ग्रंथांतल्यान आयला ?

(1) देवाची एकांग्र बोलणीं (2) देक्लारासांव द दोत्रीन क्रिस्ता

(3) वनवाळ्याचो मळो (4) सांत आंतोनेची अचर्यां

53. हांतलें गुण विशेशणापासून तयार जाल्ले क्रियापद खंयचे ?

(1) रक्तावप (2) आपणावप (3) पातळावप (4) एकठांवप

54. कवितेच्यो वळी आनी कवी हांच्यो फावो त्यो जोड्यो खंयच्यो ?

(a)	वैशणवजन एक तोचि म्हणुं ये, जो दुसऱ्याची दुख जाष्टा रें !	(i)	शंकर रामाणी
(b)	हांव केदो ? हांव केदो ? हांव आसा मळबायेदो.	(ii)	सु.म. तडकोड
(c)	हाण्णीर आसा चेडो, सोदता सगळो वाडो	(iii)	अभिजित
(d)	म्हज्या मना-मोगरे कळी फुलत जाल्यार फुलतली.	(iv)	पांडुरंग भांगी
		(v)	भिकाजी घाणेकार

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iv)	(i)	(iii)	(v)
(2)	(iii)	(iv)	(v)	(i)
(3)	(iv)	(i)	(ii)	(v)
(4)	(iii)	(i)	(v)	(iv)

55. कात्यायन ह्या संस्कृत पंडितान हांतल्या खंयच्या ग्रंथाची निर्मणी केली ?

(1) महाभाष्य (2) वार्तिक (3) सिद्धान्त कौमुदी (4) निरुक्त

www.careerindia.com

CAREERINDIA

56. 'किसरां, चवरां, हुमले' हे खंयच्या साहित्याचे उपप्रकार आसात ?

(1) विनोदी निबंद
(2) जीवशास्त्री म्हायती
(3) कवितेचो लघु प्रकार
(4) हुमाणीं

57. भास आमगेली संस्कृताय घडयता, इतलेंच न्हय, तर सैमाक लेगीत ती आपणाले फास्कें त घालता' ह्या मत्ताच्या आधारार सकयले खंयचें विधान बरोबर थारता.

(1) भास आमकां दाखयता तोच खरेलो संवाद.

(2) मनशाचो पुराय संवसार हो खरेपणानशीं भाशेचोय संवसार.

(3) भाशेभायर दुसरो संवसारच ना

(4) मनशाच्या विचारांत दिश्टी पडपी मुळावें सारकेंपण ताच्या भाशीक गिन्यानाचे बुनयादीर उबें आसा.

58. भासूच आमगेली जिणेदिश्ट घडयता ह्या मत्ता वांगडा खंयच्या भासविज्ञानिकाचें नांव जोडलां ?

(1) फेर्दिना द सोस्यूर
(2) जोशुआ फिशमन
(3) बेझिल बर्नस्टायन
(4) बेंजमिन ली वोर्फ

59. भरतमुनीन हांतुतल्यो खंयच्यो संकल्पना मांडल्यो ?

(1) लोकधर्मी आनी नाट्यधर्मी
(2) कलावाद आनी रूपवाद
(3) विरेचन आनी निराकरण
(4) समानधर्मा आनी समानशील

60. अणकारित साहित्यकृती आनी अणकारपी हांच्यो फावो त्यो जोड्यो लायात.

(a) मातयेचो मोग — (i) यशवन्त पालेकार
(b) मेघदूत — (ii) बाकीबाब बोरकार
(c) पैगंबर — (iii) ऑलिविन्यु गॉमिश
(d) वणटी — (iv) माधवी सरदेसाय
(v) चन्द्रकान्त केणी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)
(2)	(i)	(iii)	(ii)	(v)
(3)	(iv)	(ii)	(iii)	(i)
(4)	(iii)	(v)	(iv)	(i)

www.careerindia.com

CAREERINDIA

61. 'कादंबरी' हें उतर इ.स. 7 व्या शतमानांतल्या कोणाल्या आनी खंयच्या गद्यकृती वेल्यान चडशा भारतीय भासांनी आपणायलां ?

(1) गुणाढ्याच्या 'बृहत्कथा' वेल्यान.
(2) बाणभट्टाच्या 'कादंबरी' हे कृती वेल्यान.
(3) सोमदेवाच्या 'कथासरित्सागरा' वेल्यान
(4) क्षेमेंद्राच्या 'बृहत्कथामंजिरी' वेल्यान.

62. पयल्या कोंकणी युवा साहित्य संमेलनाच्या अध्यक्ष आनी कार्याध्यक्षाची बरोबर जोडी हांतली खंयची ?

(1) जयंती नायक आनी भूषण भावे
(2) दत्ता दामोदर नायक आनी राजय पवार
(3) पुंडलीक नायक आनी पूर्णानंद च्यारी
(4) सुनीता काणेकार आनी नित्यानंद नायक

63. सकयल्या वाक्यांतलें रीतदर्शी क्रियाविशेशण आशिल्लें वाक्य खंयचे ?

(1) अनिरुद्ध सगळीकडेन भोंवतालो
(2) अनिरुद्ध रातचोच भोंवतालो
(3) अनिरुद्ध भरपूर चलतालो
(4) अनिरुद्ध पायांनी बेगीबेगीन चलतालो

64. 'राम राम भाऊ' ह्या विनोदी नाटकाचो बरोवपी हांतलो कोण ?

(1) प्रकाश थळी
(2) भरत रघुवीर नायक
(3) किसन कामत
(4) रामकृष्ण जुवारकार

65. 'कुंडेकुस्कूर' हें लोकवेदावेलें पुस्तक हांतल्या कोणे बरयलां ?

(1) शाम वेरेकार
(2) पांडुरंग फळदेसाय
(3) माया खरंगटे
(4) सुधा आमोणकार

66. उथळ उदकाक खळखळ चड हे म्हणी अर्थ म्हळयार :

(1) उदक खोल आसल्यारच संथ व्हांवता.
(2) जीणेंत चलतना खूप आडखळीं येवप.
(3) अज्ञानी मनीस आपणाक खूप कळटा हें दाखोवपाक फुडें फुडें करता.
(4) कश्टाचे काम करतना जाता त्या कश्टांची किरकीर.

www.careerindia.com

CAREERINDIA

67. 'केस्तांव, देवाधरचीं फुलां, सत्कार, कवी आनी कविता' ही शीर्शकां हांतल्या कोणाल्या बरपां तली ?

(1) 'वेंचिल्ले खीण' ह्या दिनेश मणेरकारांच्या पुस्तकांतलीं

(2) 'पारजत फुलां' ह्या नरेंद्र कामत हांच्या बरपांतली.

(3) 'समिधा' ह्या रविन्द्र केळेकाराल्या बरपांतलीं.

(4) 'फुलां आनी फोगोट्यो' ह्या प्रकाश थळी हांच्या पुस्तकांतलीं

68. ''तुमकां लोकांनी कोण म्हुण वळखल्लें आवडलें आशिल्लें ? अशें म्हाका कोणेय विचारिल्लें जाल्यार हांव अनमन-नासतना जाप दितलों आशिल्लों, 'पत्रकार म्हूण....' मुळांत हांव एक पत्रकार. म्हजे भितल्लो जो लेखक आज लोकांक दिसता तो ह्या पत्रकारान जल्माक घाला'' हीं वाक्यां कोणे म्हळ्यांत ?

(1) चंद्रकान्त केणी
(2) सन्देश प्रभु देसाय
(3) उदय भेंब्रो
(4) रविन्द्र केळेकार

69. 'फाँरैनाक वचपाचें आनी थंय धन जोडपाचें कोणूय येवजिताच. पूण तें धन मोडपाखातीर, दाखोवपा खातीर, आनी निमाणे मरपाखातीर आपले सिमितरींत, गांवचे मसणवटींत सुवात जोडपाचे आंवडे गिळपी समस्त मनीसजातींत गोंयकार चड आसताले काय दिसताले'' हो उतारो हांतल्या कोणालो ?

(1) अ.ना. म्हांबरो
(2) दत्ताराम सुखठणकार
(3) प्रकाश थळी
(4) मुकेश थळी

70. सकयले निबंद आनी निबंदकार हांच्यो फावो त्यो जोड्यो बरयात.

(a) ल्हानपणांतल्यो यादी — (i) सोतेर आर बार्रेत

(b) भुरगेपणातल्यो यादी — (ii) मनोहरराय सरदेसाय

(c) म्हजें भुरगेंपण — (iii) नेनसिंग रुद्रिगीश

(d) असो म्हजो गांव — (iv) र.वि. पंडित

(v) शंकर भांडारी

	(a)	(b)	(c)	(d)
(1)	(ii)	(i)	(iv)	(iii)
(2)	(i)	(iv)	(v)	(iii)
(3)	(iii)	(i)	(iv)	(ii)
(4)	(iv)	(i)	(v)	(ii)

www.careerindia.com

CAREERINDIA

सकयल दिल्लो उतारो वाचून ताच्या सकयल दिल्ल्या प्रश्नांच्यो जापो दियात.

संघात भितर येतकूच भिक्खूनी आपणाल्या उपाध्या या सरीं बसून धर्म शिकचो, ध्यानाचो अभ्यास करचो, कितें करचें, कितें करचें न्हय हे विशीं बुद्धान कांय नेम घालून दिल्ले तांका पाळो दिंवचो आनी जागरूकपणान आपणाक घडयत रावचें. हे आतां दुसऱ्यांक उपदेस करपाचे योग्यतायेचे जाल्यात म्हणपाचें दिसून येतकूच संघान तांका धर्मप्रसारा खातीर भायर धाडचें 'मा एकेन द्वे अगमित्थ' एकेकडेन खंयच दोग जाण वचूं नाकात, अशें बुद्धान आरंभाकूच सगल्यांक सांगिल्लें. हे आज्ञेक धरुन जण एकल्यान आपणा खातीर एक खेरीत वाठार वेंचून काडचो आनी थंय उपदेस करचो. वर्सातले आठ म्हयने वेंचून काडिल्या ह्या वाठारांत काम करचें आनी पावसाळ्यांतल्या चार म्हयन्यांखातीर खंयच्याय तरी एका विहारांत येवन रावचें. थंय वेगळ्या वेगळ्या वाठारांत काम करपी भिक्खुंचो तांका सांगात मेळटालो. तांचे लागी आपापणाल्या अणभवाचें दिवप घेवप करचें. एकमेकांक तरातरांचे प्रश्न विचारून आपणाले विचार घांसून पुसून काडचे. धर्म-सुत्रांचीं पारायणां करचीं आनी फुडल्या आठ म्हयन्यांच्या वावरा खातीर जाय आशिल्ली 'भुती' घेवन आशिल्ले तशें आपापणाल्या वाटारांत वचचें. आठ म्हयने काम करप आनी वर्षावासाच्या चार म्हयन्यांत अणभवांची नियाळणी, तर्जणी, उजळणी करून कामांत फाव ऽ ते बदल करप हो तांचो नित्यक्रम जाल्लो.

एका सारकीं पंचेचाळीस वर्सा बुद्धान वर्षावासांत भिक्खुंचीं हे तरेचीं-आयचे भाशेंत सांगचे जाल्यार कार्यशाळो वा 'वर्कशॉपां' चलयल्यात. शिबिरां घेतल्यांत जीव ओतून तांणे संघाक रूप आनी आकार दिवपाचो यत्न केला. आपूण आसचों ना. त्या वेळारुय आपणें सुरु केल्लें हें धर्मचक्र चलत रावंक जाय. ह्या हावेसान तांणे संघ घडयला 'फाल्या हांव आसचो ना' त्या वेळार तुमच्या मनांत कसलोय दुबाव आयलो आनी त्या वेळार तुमकां म्हजो उगडास जालो ना, धम्माचोय जालो ना, जाल्यार संघाचो उगडास करात. तो तुमका धीर आनी आधार दितलो अशे म्हळां. संघाक खासा बुद्धान येदें म्हत्व दिल्लें. संघात बुद्धय आसपावता आनी धम्मूय आसपावता. असो खासा ताणेंच संगळ्यांचो समज करून दिल्लो. हाका लागून बुद्ध आनी धम्म हांचे इतलेंच बौद्धांच्या संवसारांत संघाक म्हत्व आयलां. बुद्ध, धम्म आनी संघ हांका बौद्धांनी आपणालीं 'तीन रत्नां' मानल्यांत. तीं तांका एकमेकांपसून वेगळावंक येनात. बुद्ध-धर्म बुद्धा उपरांतूय चल्लो, वाडलो, पातळ्ळो तो संघाक लागुनूच अशें म्हणपी जाणकार आसात.

71. ह्या लेखांत 'भुती' ह्या शब्दाचो अर्थ जावन आसा :

(1) शिदोरी (2) जेवण (3) शिकप (4) अणभव

72. सकयल दिल्लें खंयचें विधान चूक आसा ?

(1) बुद्ध, धम्म आनी संघ ही बौद्धांची तीन रत्नां आसात.

(2) आठ म्हयने काम करप हो बौद्धांचो नित्यक्रम आशिल्लो ?

(3) एकेकडेन एकट्यानूच वचप असो बुद्धाचो नेम आसा.

(4) बुद्ध धर्म या नेमाक लागून बुद्धा उपरांत चलूक पावलो ना.

www.careerindia.com

CAREERINDIA

73. बुद्धान संघ कित्याक घडयलो ?

(1) धम्माचो उगडास येवचो म्हणून

(2) आपूण आसचों ना त्यावेळारूय संघ चलत रावक जाय म्हणून

(3) आपलो उगडास येवचो म्हणून

(4) संघाक आकार दिवपाक जाय म्हणून

74. खंयच्या आज्ञेक धरून जण एकल्यान एक खेरीत वाठार वेचून काडिल्लो ?

(1) एका विहारात रावचे

(2) जागरूकपणान आपणाक घडयत रावचें

(3) एकेकडेन खंयच दोग जाण वचूं नाकात

(4) संघ प्रसारा खातीर भिक्खूनी भायर वचचें

75. बौद्धांच्या संवसारांत संघाक बुद्ध आनी धम्म हांचे इतलेंच म्हत्व आयलां कारण :

(1) संघात बुद्ध आनी धम्म आसपावता

(2) बुद्धात संघ आस्पावता

(3) धम्मांत संघ आसपावता

(4) संघात बुद्धा बगर आनी कोणच आसपावना

- o O o -

www.careerindia.com

CAREERINDIA

Space For Rough Work

www.careerindia.com